प्रेस विज्ञप्ति

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण के लिए कार्यशाला

भीलवाड़ा दिनांक 10 मार्च 2017, जन स्वास्थ्य अभियान राजस्थान, एनएफआई एवं प्रयास संस्था, चित्तौड़गढ के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृीढीकरण हेतू समुदाय आधारित संगठनों की कार्यशाला एवं पत्रकार वार्ता का आयोजन जिला परिषद कार्यालय के अटल सेवा केन्द्र में किया गया जिसमें भीलवाड़ा एवं टोंक जिले से सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनो के प्रतिनिधियों एवं स्थानीय संवाददाताओं सहित 25 संभागियों ने भाग लिया।

प्रयास के समन्वयक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियान राजस्थान एक मंच है जो समय–समय पर स्वास्थ्य के मुद्दों को सरकार के समक्ष उठाने का कार्य कर रहा है साथ ही बताया कि भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना में लोगों को स्वास्थ्य लाभ लेने के लिये भामाशाह कार्ड की आवश्यकता होती है एवं उसको साथ में लेकर जाना होता हैं रोगी को 30 हजार से लेकर 3 लाख रूपये तक का उपचार निशुल्क किये जाने का प्रावधान है किन्तु लोगों को पूर्ण जानकारी के अभाव में पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। गांवों में निर्बन्ध कोष में 10 हजार रूपये का प्रावधान है जिसके बारे में भी स्थानीय व्यक्तियों को जानकारी नही है। उपस्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्या–क्या सुविधायें होनी चाहिये इसकी पूरी जानकारी होगी तब ही मांग रख सकेगें। उन्होंने सरकार द्वारा प्रदत्त निःशुल्क दवा एवं जांच योजना के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। श्री शर्मा कहा कि हमारे क्षैत्र में आधे से अधिक महिलाएं बच्चे कुपोषण से ग्रसित है इसके लिए व्यापक स्तर पर आवश्यक सुविधाएं एवं जानकारी जुटाने की आवश्यकता है। सरकारी योजनाएं जैसे कि नसबंदी करवाने के बाद यदि किसी की नसबंदी असफल हो जाती है तो उनको सरकार द्वारा 30 हजार रूपया मुआवजा के रूप में दिये जाते है। वर्ष 2015–16 में 20 प्रकरण उच्च न्यायालय जोधपुर में प्रेषित किये है। इनमें से 12 प्रकरणों में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा मुआवजे के भुगतान के आदेश प्रसारित किये है। भारत में निर्मित जैनेरिक दवाइयों का विश्व के 200 से अधिक देशों में निर्यात किया जाता हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि जैनेरिक एवं ब्राण्डेड दवाओं की गुणवत्ता में कोई अन्तर नहीं है।

राजस्थान पीयूसीएल की सदस्य तारा अहलूवालिया ने बताया कि भीलवाडा में जिला चिकित्सालय में चिकित्सक ही नहीं है जिले में 2005 में 26 सोनोग्राफी मशीन थी आज 58 हो गयी है रोगी उपचार के लिये जाते ही सोनोग्राफी की लिख देती है जो कि चिकित्सालय में करवाई जाती तो कम पैसे में हो जाती किन्तु बाहर से 800 से 1000 रूपये में होती है इस प्रकार रोगी को लुटा जा रहा है एवं पंजीयन शुल्क भी 5 रू से बढाकर 10 रूपये कर दिया गया है एवं प्राप्त राशि का कहां उपयोग किया जा रहा है उसकी कोई पारदर्शिता नहीं है। अधिकतर रोगियों को उदयपुर रेफर कर दिया जाता है। जननी एक्सप्रेस को फोन करने

पर भी नहीं पहुंच पाती हैं प्रसव अस्पताले के बाहर होने के भी प्रकरण सामने आये है चिकित्सक एक दूसरे के यहां रेफर करते हैं कम्पाण्डर भी अटेण्ड नहीं करते हैं और ऐसा अधिकतर दलित समुदाय के साथ होता हैं उपस्वास्थ्य केन्द्रों की स्थिती भी बेहतर नहीं है इस प्रकार गांवों में स्थिती बहुत खराब है, ब्लड बैंक वाले भी बार–बार चक्कर कटवाते हैं। लोगों को अपनी आवाज उठाने के लिये मंच की भी आवश्यकता है

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन स्वास्थ्य अभियान राजस्थान एवं प्रयास के वरिष्ठ समन्वयक श्री गोवर्धन जी ने बताया कि गांवों में शिक्षा का स्तर कमजोर है, बाल विवाह ज्यादा हो रहे हैं परिवार नियोजन की योजनाएं इसी कारण पूरी तरह से सफल नहीं हो पा रहे हैं हमें इस दिशा में और अधिक काम करने की आवश्यकता है। साथ ही बताया कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण के लिये स्वयंसेवी संगठनों के योगदान पर विस्तृत चर्चा की और कहा कि संविधान में जीने का अधिकार दिया है तो गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा का अधिकार भी इसमें निहित है। देश के समस्त नागरिकों को सामान्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए सकल घरेलु उत्पाद का 5 प्रतिशत खर्च करना है किन्तु इसके विपरीत सरकार मात्र 1.2 प्रतिशत ही खर्च रही है। देश में कुछ व्यक्ति आवश्यकता से अधिक सम्पन्न है किन्तु ज्यादातर व्यक्तियों के पास नाम मात्र की संपति और संसाधन है इस प्रकार की असमानता से देश में विकट स्थिति बनी हुई हैं। देश में पोषण की पूर्ति के लिये मिड–डे मिल, पूरक पोषहार, राशन की दुकानों के माध्यम से पूर्ति करने की कोशिश की जारी है फिर भी देश में आधे से अधिक महिलाएं एवं बच्चे कुपोषित है। स्वास्थ्य सेवाओं की समस्त नागरिकों की पंहुच के लिए स्वयं सेवी संगठनों का सहयोग एक महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार की कई स्वास्थ्य की योजनाएं है किन्तु जानकारी के अभाव में रोगियों को इसका पूरा लाभ प्राप्त नही हो पाता है। स्वयं सेवी संगठन समुदाय को जागरूक कर योजनाओं की सफल क्रियान्विति के लिए सहयोग प्रदान करने की अपील की।

चर्चा के दौरान निकलकर आया कि परिवारों में लड़कियों की असुरक्षा को लेकर जो भाव पैदा हो रहे हैं इसी कारण आगे की पढाई के लिये दूर नहीं भेजा जाता है। इसी को दूर करने के लिये इस वर्ष चेंज मेकर नाम से कार्यक्रम आयोजित किये गये महिला मुद्दों पर काम करने वालों को सम्मानित किया गया, जागरूक महिलाये घर–घर जाकर परिवार के मुखियाओं को समझाने का प्रयास किया जा रहा है,

संभागियों ने चर्चा के दौरान बताया कि अधिकतर चिकित्सक बाहर की दवाईयां यह कहकर लिखते है कि निशुल्क दवाईयां के बजाय बाहर की दवाईयां ज्यादा असर करती है एवं जांच भी बाहर से करवाते हैं लोगों में जागरूकता की कमी है निशुल्क दवा योजना के बारे में फैलाई जा रही भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है।

जिला कार्यक्रम प्रबन्धक कमेटी के श्री अरूण वशिष्ठ ने बताया कि भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना का संचालन में कही कही कमी हो सकती है क्योंकि इसकी पालना भी व्यक्तियों द्वारा ही की जाती है लोगों में जागरूकता लाने के लिये नुक्कड़ नाटक किये गये हैं। सरकार के पास चिकित्सकों की कमी है फिर भी प्रतिमाह 9 तारीख को स्वास्थ्य जांच में निजी चिकित्सकों की निशुल्क सहायता ली जा रही है। सरकार में कुछ लोग समर्पित भाव

से तो कुछ लापरवाही पूर्वक कार्य करते हैं उन्हें संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। कच्ची बस्तियां उच्च प्राथमिकता की श्रेणी में आती है उनमें टी बी रोगी ज्यादा पाये जाते हैं उनके लिये भी स्वास्थ्य विभाग सजग है और योजनायें बनाई जा रही है जिसमें गैर सरकारी संगठनों की सहभागिता की आवयश्कता है।

प्रयास चित्तौड़गढ के समन्वयक श्री दिनेश यादव ने बताया कि सेवा के नाम पर ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है जो कि बिना किसी डिग्री के ग्रामीणों लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है और उन लोगों को वहां से हटाने के लिए कोई रीति नीति नहीं है।

परिवार सेवा केन्द्र की श्रीमति कोकिला शर्मा ने बताया कि यह एवं संवेदनशील मामला है, अधिकतर एमटीपी अवैध तरीके से करवाई जा रही है, तथा गांवों में महिलाओं को प्रजनन तंत्र के रोगों की अधिकता है परिवार में इस समस्या पर बात करना शर्म माना जाता है, लोगों में जागरूकता बढाना आवश्यक है।

राजस्थान ईंट भट्टा मजदूर यूनियन के राजेन्द्र माथुर, शैतान रेगर, प्रयास के उदयलाल मेघवाल, नारायण सालवी एवं फूलशंकर शर्मा ने संदर्भ सेवाएं प्रदान की। बैठक मे यह भी निर्णय लिया गया कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण के लिए एक संभाग स्तरीय जनसंवाद का आयोजन किया जाएगा। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यक मांग के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदया राजस्थान के नाम जिला कलेक्टर महोदय को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा।

उदयलाल मेघवाल
(कार्यक्रम प्रभारी)

सादर प्रकाशनार्थ !